सेब उत्पादकों के लिए वरदान : स्वाल का वूक्साल

कटराईं कुल्लू में एग्रोकेमिकल के क्षेत्र की जानी मानी कंपनी स्वाल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने जर्मनी की अग्लूकॉन कंपनी के सहयोग से **'वुक्साल'** नामक तरल जैविक खाद लॉन्च किया है। यह उर्वरक खासतौर से हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर जोकि सेब उत्पादन के दिल हैं, के सेब उत्पादकों के लिए फायदेमंद है। यह सेब की फसल की पोषण आवश्यकता को तरल पदार्थ के रूप में पत्तों पर स्प्रे द्वारा पूरा करता है और सेब के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन करने में सहायक है।

जर्मनी की फसल पोषण के क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अग्लूकॉन के साथ मिलकर स्वाल ने वुक्साल लॉन्च किया। वुक्साल के तीन प्रकारो जोकि–वुक्साल केल्शियम, वुक्साल पोटेशियम और वुक्साल मैक्रोमिक्स हैं, को होटल शुभम, कटराईं, कुल्लु में लॉन्च किया गया। इस अवसर पर स्वाल व अग्लूकॉन के वरिष्ठ अधिकारी खासतौर से मौजूद रहे जिन्होंने कंपनी के उत्पाद के बारे में बताते हुए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित सेब उत्पादकों व उर्वरक/कीटनाशक डीलर्स

को संबोधित किया। विजय कुमार भट्ट, बिजनेस हैड (इंडिया), स्वाल ने कंपनी की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने भारतवर्ष में खेती की बदलती हुई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एग्रोकेमिकल और उर्वरक उत्पादों को मजबूत करने के लिए भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. बेंजामिन क्लुग, विपणन प्रमुख, अग्लूकॉन जर्मनी ने वुक्साल के फायदे और उसके उपयोग करने की विधि के बारे में बताया और गुणवत्तायुक्त सेब के उत्पादन में फसल पोषण की भूमिका पर चर्चा की। स्वाल के उर्वरक व्यावसायिक प्रमुख योगेश चंद्रा ने इस उत्पाद की जानकारी दी। इस अवसर पर फिलिप गोएके, एशिया रीजन हैड, अग्लूकॉन जर्मनी, प्रसाद जुवेकर, सीनियर प्रोड्क्ट मैनेजर, सतेंद्र सिंह, जोनल मैनेजर, चंडीगढ़, शिव कुमार शर्मा रीजनल मैनेजर आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय बीज भण्डार के अम्बुज सूद की अहम भूमिका रही।